बच्चों के लिए बाइबिल
प्रस्तुति

राजा दाऊद
(भाग 2)

लेखक: Edward Hughes
व्याख्याकार: Lazarus
अनुवाद: Suresh Kumar Masih
रूपान्तरकार: Ruth Klassen

60 कहानियों में से 21 (पहला)

www.M1914.org

Bible for Children, *PO Box 3, Winnipeg, MB R3C 2G1 Canada*

अनुज्ञापत्र (लाइसेंस): आप इन कहानियों की छाया प्रति और मुद्रण करवा सकते हैं, बशर्ते कि बेचें नहीं।

हिन्दी Hindi

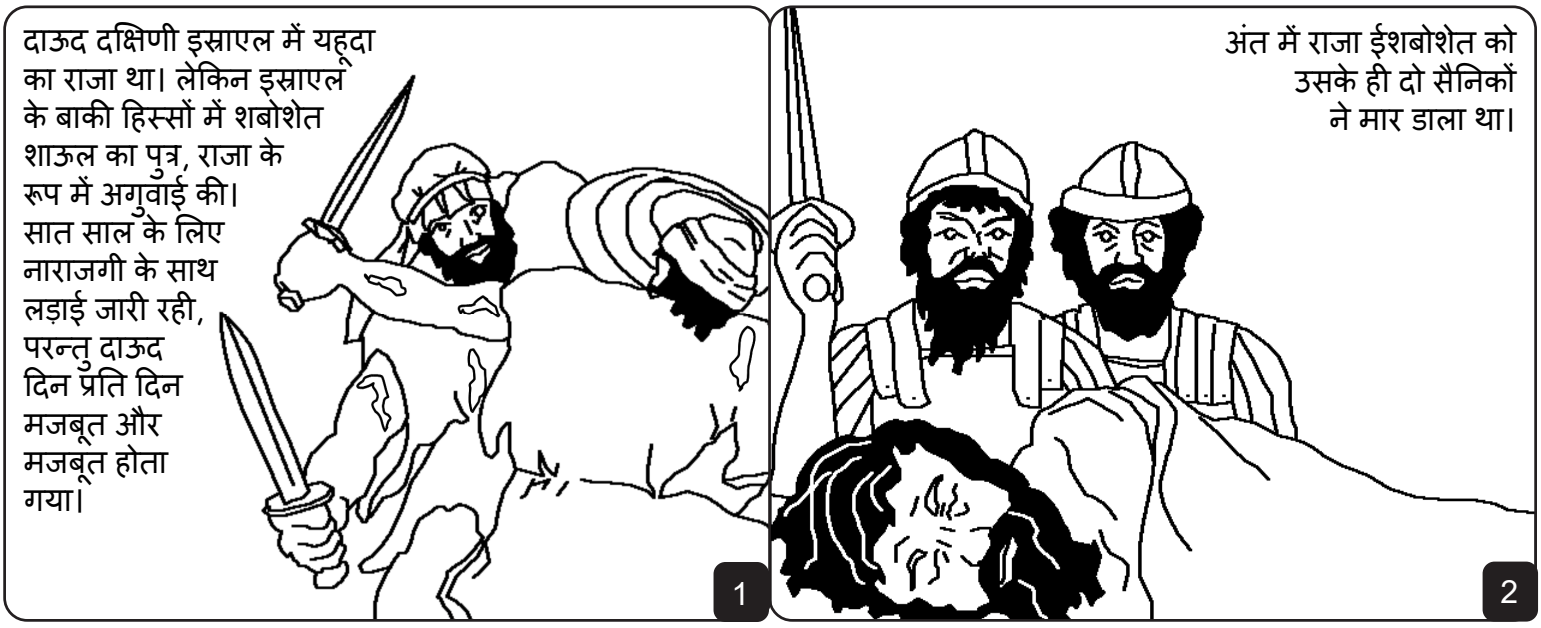

फिर इस्राएल के सभी गोत्र के लोग दाऊद के पास आये और उसे पूरे इस्राएल पर राजा नियुक्त कर दिया। लंबे समय तक, दाऊद पूरे देश का राजा था।

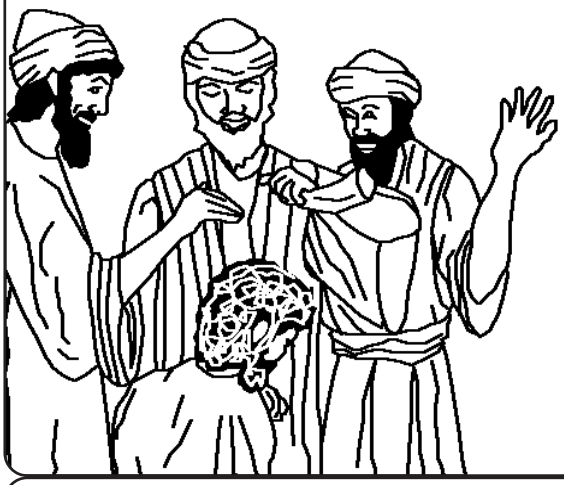

3

राजा दाऊद ने सबसे पहले यरूशलेम पर कब्जा किया। यह दाऊद के शहर के नाम से जाना गया। उसने इसे दुश्मनों के खिलाफ एक गढ़ के रूप में बनाया। यरूशलेम से, दाऊद की सेना इस्राएल के लिए पलिश्तियों और अन्य शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने के लिए गयी।

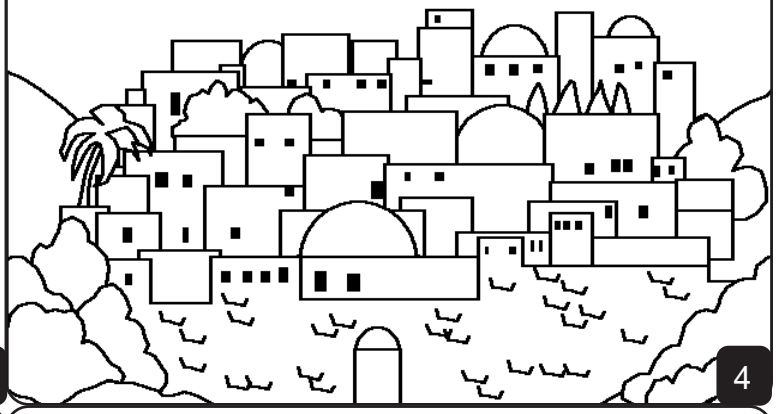

4

फिर, राजा दाऊद ने परमेश्वर के सन्दूक को यरूशलेम में लाया। परमेश्वर के सन्दूक में दस आज्ञाओं और अन्य कानूनों की प्रतियां निहित थीं, जिन्हे परमेश्वर ने मूसा को दिया था।

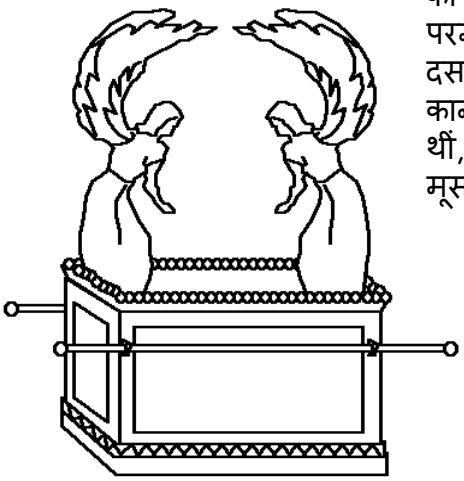

5

सन्दूक इस्राएलियों के परमेश्वर की पवित्रता थी, और यह उसकी आज्ञाओं का पालन करने के लिए याद दिलाता था।

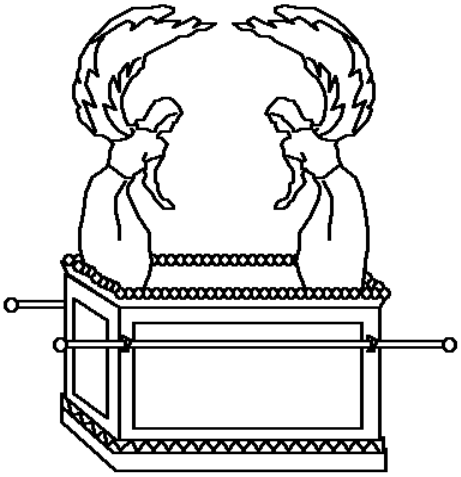

6

दाऊद को अपने शासनकाल के प्रारंभिक वर्षों में अनेको लड़ाईया लड़नी पड़ी थी। वह एक बुद्धिमान सैनिक और एक विनम्र व्यक्ति था जो परमेश्वर के मार्गदर्शन के लिए प्रार्थना किया करता था।

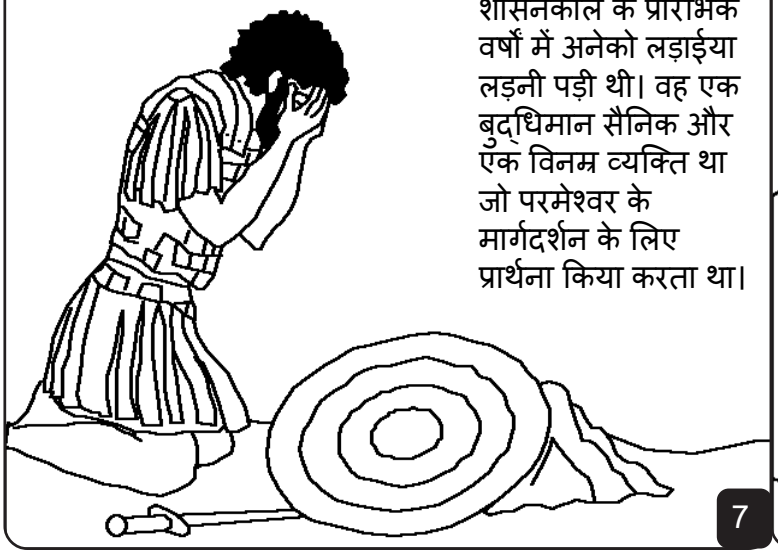

7

दाऊद परेशान था क्योकि उसके रहने के लिए एक अच्छा महल था परन्तु परमेश्वर का सन्दूक अभी भी एक तम्बू में रखा था। दाऊद ने एक मंदिर का निर्माण करने का फैसला किया। नातान, परमेश्वर के नबी ने, पूरा करने की सलाह दी।

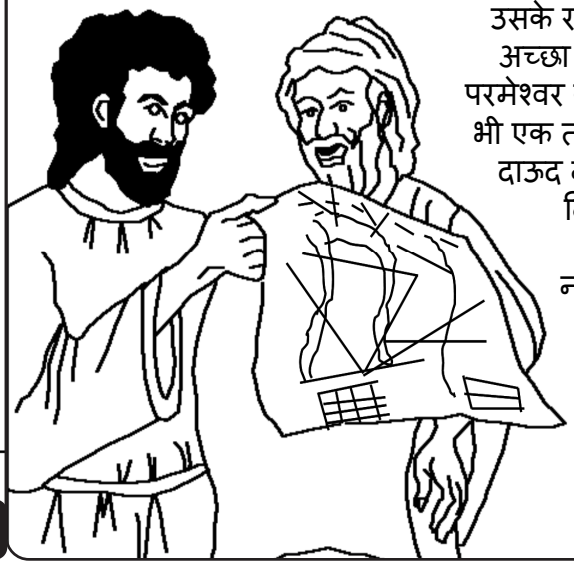

8

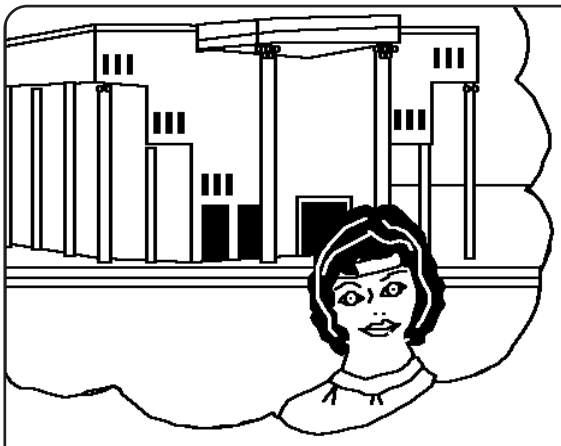

उसी रात, परमेश्वर ने दाऊद को संदेश भेजा। "मेरे दास दाऊद, यहोवा आप ही तुम्हे एक घर बनायेगा" जब तू अपने दिनों को पूरा कर, अपने पूर्वजों के साथ आराम करेगा, तब मै तुम्हारे बाद तुम्हारे संतान को राजा के रूप में स्थापित करूँगा।

9

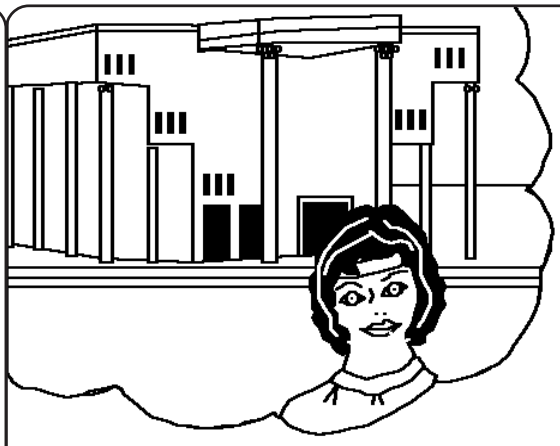

वह मेरे नाम के लिए मंदिर का निर्माण करेगा और मैं हमेशा के लिए उसके राज गद्दी को स्थापित करूंगा।"

10

दाऊद शाऊल के परिवार के किसी भी बचे ब्यक्ति की मदद करना चाहता था। केवल योनातान का पुत्र मपीबोशेत मिला, पर वह अपंग था। दाऊद ने कहा, "वह राजा के पुत्रों में से एक की तरह मेरी मेज पर भोजन किया करेगा।" योनातान उसका सबसे अच्छा दोस्त था इसलिए दाऊद मपीबोशेत पर तरस खाया।

11

जब तक दाऊद परमेश्वर पर विश्वास किया और उसकी आज्ञाओ का पालन किया, परमेश्वर ने समृद्धि के लिए दाऊद की भरपूर मदद की। लेकिन एक दिन, एक भयानक विपत्ति दाऊद के जीवन में आयी। वह यरूशलेम में रूक गया, जबकि अपनी सेना को लड़ने के लिए बाहर भेज दिया।

12

एक रात, वह सो नहीं पा रहा था। इसलिए वह अपनी छत के ऊपर चला गया और शहर को देखने लगा।

13

दाऊद ने एक खूबसूरत औरत को स्नान करते देखा। उसका नाम बतशेबा था। दाऊद, ने बतशेबा के साथ पाप किया, यहां तक कि उसका पति, ऊरिय्याह, दाऊद के बहादुर सैनिकों में से एक था।

14

जब बतशेबा ने बाद में दाऊद को बताया कि वह उसके बच्चे को जन्म देने जा रही है, दाऊद जान लिया की उसका पाप अधिक समस्याएं पैदा कर सकता है।

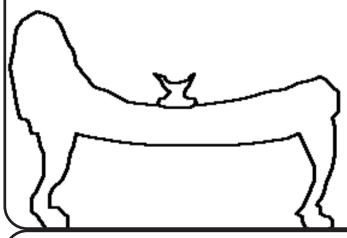

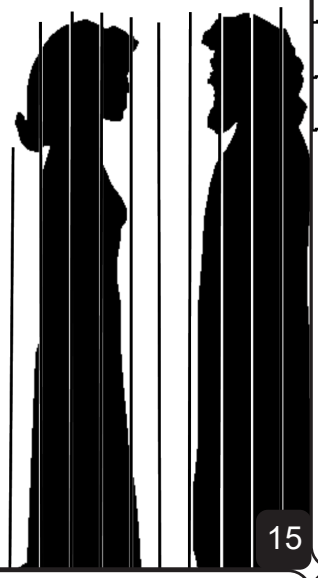

15

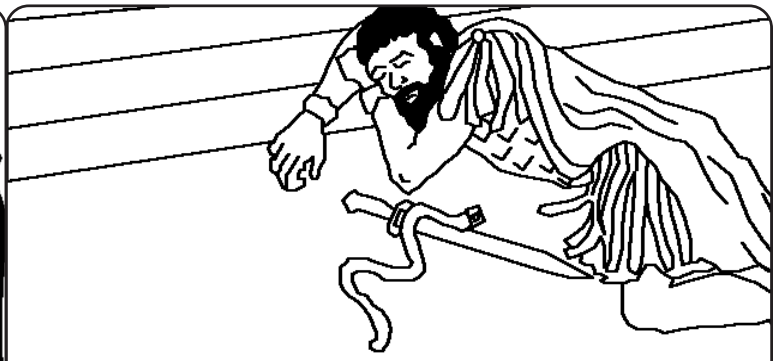

परमेश्वर से माफ़ी मांगने की वजाय, दाऊद ने अपने पाप को छुपाने की कोशिश की। इसमे कामयाबी नहीं मिली! उसने युद्ध क्षेत्र से ऊरिय्याह को घर बुलाया, इस उम्मीद से की ऊरिय्याह सोचेगा की आने वाली संतान उसकी है। लेकिन ऊरिय्याह अपने साथी सैनिकों को युद्ध में छोड़कर घर नहीं गया। ऊरिय्याह राजा के घर के दरवाजे पर सो गया।

16

तब दाऊद ने उससे भी अधिक दुष्ट काम किया। उसने एक पत्र के साथ युद्ध के मैदान के लिए वापस ऊरिय्याह को भेजा।

17

पत्र में सेना पति को बताया गया था की ऊरिय्याह को लड़ाई में शहीद करवाना ही है। जब ऊरिय्याह को मार डाला गया, दाऊद ने बतशेबा को अपनी पत्नी होने के लिए बुलवा लिया।

18

परमेश्वर ने दाऊद को उसका पाप दिखाने के लिए उसके सेवक, नातान को भेजा। नातान ने दाऊद को अमीर आदमी और एक बहुत ही गरीब आदमी की एक कहानी सुनाई। अमीर आदमी के पास सैकड़ों भेड़ें थी, लेकिन गरीब आदमी के पास केवल एक छोटा मेमना था, जो उसके लिए एक क़ीमती बेटी की तरह था।

19

जब एक यात्री अमीर आदमी के घर आया, अमीर आदमी ने उसे खिलाने के लिए अपनी भेड़ों में से एक को नहीं मारा। इसके बजाय, वह गरीब आदमी की भेड़ के बच्चे को मार डाला।

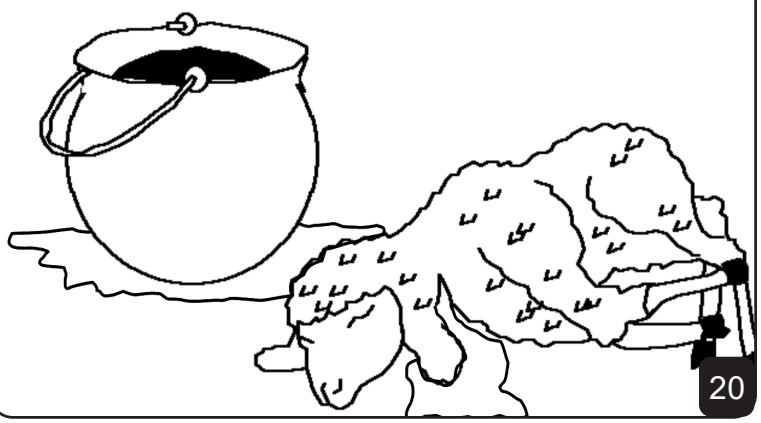

20

दाऊद अमीर आदमी के स्वार्थ के लिए गुस्सा था। उसने कहा, "जिस आदमी ने यह किया है वह निश्चित रूप से मरेगा" वह चिल्लाया।

21

"वह आदमी तुम हो!" बहादुर नातान ने दाऊद को बताया। दाऊद ने जो किया था वह कहानी में अमीर आदमी के करतूतों से भी बदतर था।

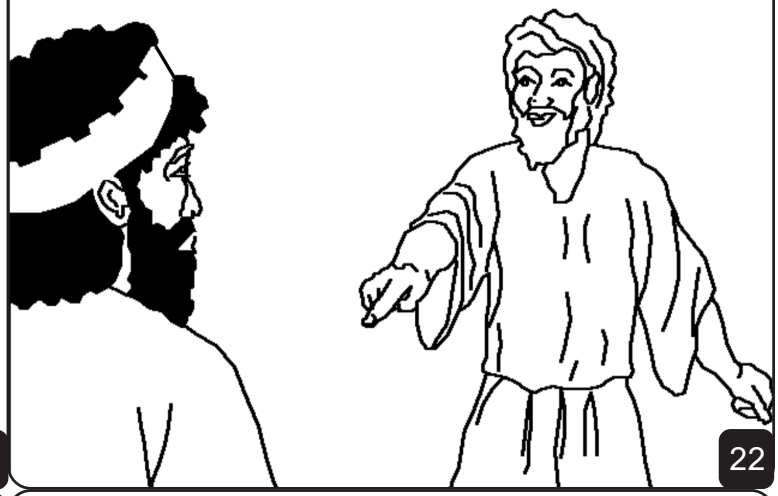

22

परमेश्वर ने यह दिखाया की दाऊद कैसे दुष्ट हो गया था। तब दाऊद ने अपने पापों के लिए माफ़ी मांगी। उसने परमेश्वर से कहा: "मैं इस बुरे पाप को तुम्हारे खिलाफ। किया है।" और परमेश्वर ने दाऊद के पाप को माफ कर दिया। लेकिन बतशेबा का बेटा बहुत बीमार था, और जल्द ही जन्म के बाद उसकी मृत्यु हो गई।

23

परमेश्वर ने दाऊद की इस भयानक पाप के लिए उसे माफ कर दिया। बतशेबा बाद में एक बच्चे, सुलेमान को जन्म दिया जो एक महान राजा बनाने वाला था। लेकिन राजा दाऊद के कई अन्य बच्चे भी थे जिनमे से कुछ उसपर महान दुख को लाये।

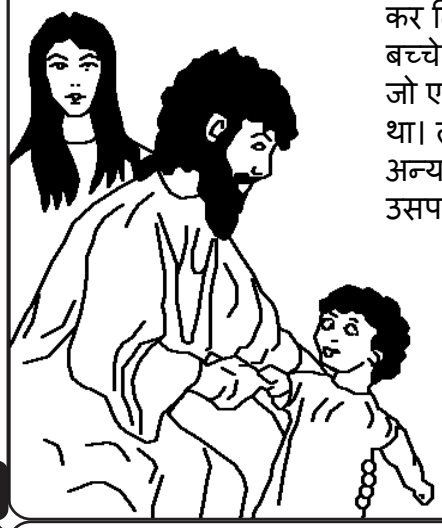

24

राजा दाऊद (भाग 2)

बाइबिल से, परमेश्वर के वाणी में कहानी

में पाया गया

2 शमूएल 1-12

“जो आपके जीवन में प्रकाश देता है।”
प्लाज्म 119:130

ईश्वर (परमेश्वर) जानता है कि हमने ऐसे गुनाह किए हैं जिन्हें वह पाप कहता है. पाप की सज़ा मौत है.

ईश्वर (परमेश्वर) हमसे इतना प्रेम करता है कि उसने अपने पुत्र यीशु को भेजा कि हमारे पापों की सज़ा के रूप में वह टिकटी (क्रॉस) पर चढ़ कर अपने प्राणों की बलि दे दे. यीशु मरकर फिर जीवित हुआ और पुन: स्वर्ग चला गया. ईश्वर (परमेश्वर) अब हमारे पापों को क्षमा कर सकता है.

यदि आप अपने गुनाहों और पापों से बचना चाहते हैं तो उससे दुआ करें; प्रिय ईश्वर (परमेश्वर) मुझे विश्वास है कि यीशु ने मेरे लिए अपने जीवन की बलि दी और अब पुन: जीवित हुआ है. हे ईश्वर (परमेश्वर) तू मेरी ज़िंदगी में आ और मेरे पापों को माफ कर दे ताकि मैं एक नई ज़िंदगी जी सकूं और हमेशा हमेशा के लिए तेरे साथ रह सकूं. हे ईश्वर (परमेश्वर) मेरी मदद कर ताकि मैं तेरी संतान के रूप में तेरे लिए जी सकूं.
आमीन. जॉन 3:16

बाइबल पढ़ें और प्रतिदिन ईश्वर (परमेश्वर) से बात करें.